



भारतसरकार

Government of India

पृथ्वी ववज्ञान मंत्रालय(एम. ओ. ई. एस.)

Ministry of Earth Sciences (MoES)

भारत मौसम ववज्ञान ववभाग

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

जलवायु अनुसंधान और सेवाएं (सीआरएस)/Climate Research and Services (CRS)

2022 के दौरान भारत की जलवायु पर वक्तव्य  
Statement on Climate of India during 2022

### मुख्य अंश

2022 के दौरान भारत में वार्षिक औसत भू सतह हवा का तापमान दीर्घकालिक औसत (1981-2010 की अवधि) से  $+0.51^{\circ}\text{C}$  अधिक था। 1901 में राष्ट्रव्यापी रिकॉर्ड शुरू होने के बाद से वर्ष 2022 पांचवां सबसे गर्म वर्ष था। हालांकि, यह 2016 के दौरान भारत में देखी गई उच्चतम उष्णन/वार्मिंग ( $+0.71^{\circ}\text{C}$  की विसंगति) से कम और पिछले वर्ष 2021 की तुलना में अधिक ( $+0.440\text{C}$  की विसंगति) है।

सर्दियों (जनवरी से फरवरी) की ऋतु के दौरान अखिल भारतीय औसत तापमान  $-0.04$  डिग्री सेल्सियस की विसंगति के साथ सामान्य था, जबकि अन्य ऋतुओं के दौरान यह सामान्य से अधिक था (मानसून पूर्व (मार्च से मई) सीजन ( $1.06$  डिग्री सेल्सियस की विसंगति), मानसून (जून से सितंबर) सीजन ( $+0.36$  डिग्री सेल्सियस की विसंगति) और मानसून के बाद (अक्टूबर से दिसंबर) सीजन ( $+0.52$  डिग्री सेल्सियस की विसंगति)।

2022 में वैश्विक औसत तापमान वर्तमान में पूर्व-औद्योगिक (1850-1900) औसत से  $1.15 \pm 0.13$  डिग्री सेल्सियस अधिक होने का अनुमान है, जो पिछले आठ वर्षों (2015-2022) को रिकॉर्ड पर सबसे गर्म बना सकता है। ला नीना की स्थिति के बावजूद लगातार दूसरे वर्ष वैश्विक तापमान कम रहा, 2022 अभी भी रिकॉर्ड पर 5वां या 6वां सबसे गर्म वर्ष होने की संभावना है। (स्रोत: [https://library.wmo.int/doc\\_num.php?explnum\\_id=11359](https://library.wmo.int/doc_num.php?explnum_id=11359))

पूरे देश में 2022 की वर्षा 1971-2020 की अवधि के लिए दीर्घावधि औसत (एलपीए) मूल्य का 108% थी। सर्दियों के मौसम की वर्षा अपने एलपीए की 147% थी, प्री-मॉनसून सीजन की वर्षा अपने एलपीए की 99% थी और दक्षिण-पश्चिम मानसून की ऋतु के दौरान वर्षा अपने एलपीए की 106% थी और मानसून के बाद की वर्षा अपने एलपीए की 119% थी।

1965-2021 के आंकड़ों के आधार पर 11.2 के सामान्य के मुकाबले 2022 के दौरान 15 चक्रवीत विक्षोभ (तीन चक्रवाती तूफान और 12 अवदाब) उत्तर हिंद महासागर के ऊपर बने। इनमें बंगाल की खाड़ी के ऊपर तीन चक्रवात, सात अवदाब और अरब सागर के ऊपर तीन अवदाब और दो थल अवदाब शामिल हैं। इनके अलावा, देश के विभिन्न हिस्सों में अत्यधिक भारी वर्षा, बाढ़, भूस्खलन, आकाशीय बिजली/तड़ित गिरने, आंधी, सूखा आदि जैसी चरम मौसमी घटनाओं का भी अनुभव किया गया।

## तापमान

वर्ष 2022 के दौरान देश के लिए वार्षिक औसत भू सतह का तापमान 1981-2010 के औसत से +0.51 डिग्री सेल्सियस अधिक था, इस प्रकार वर्ष 2022 को 1901 के बाद से पांचवां सबसे गर्म वर्ष बना दिया गया (चित्र. 1)। रिकॉर्ड पर पांच सबसे गर्म वर्ष, अवरोही क्रम में 2016 (+ 0.71 डिग्री सेल्सियस), 2009 (+ 0.55 डिग्री सेल्सियस), 2017 (+ 0.541 डिग्री सेल्सियस), 2010 (+ 0.539 डिग्री सेल्सियस) और 2022 (+ 0.51 डिग्री सेल्सियस) थे। उल्लेखनीय है कि 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 हाल के पंद्रह वर्षों (2008-2022) के दौरान थे। पिछला दशक (2012-2021/ 2013-2022) 0.37°C /0.41°C के औसतन वार्षिक औसत तापमान विसंगति (वास्तविक - LPA) के साथ रिकॉर्ड पर सबसे गर्म दशक भी था। 1901-2022 के दौरान देश के औसत वार्षिक औसत तापमान में 0.64°C/100 वर्ष (चित्र 1) की महत्वपूर्ण वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई दी, जबकि अधिकतम तापमान में महत्वपूर्ण वृद्धि की प्रवृत्ति (1.0°C/100 वर्ष) और अपेक्षाकृत कम वृद्धि की प्रवृत्ति न्यूनतम तापमान में (0.28°C /100 वर्ष) दिखाई दी।

2022 में प्री-मानसून अवधि असाधारण रूप से गर्म थी। सर्दियों के मौसम (जनवरी-फरवरी, विसंगति -0.04 डिग्री सेल्सियस के साथ) के दौरान देश का औसतन ऋतुनिष्ठ औसत तापमान सामान्य था, जबकि प्री-मानसून सीजन (मार्च-मई, विसंगति 1.06 डिग्री के साथ), मॉनसून सीजन (जून-सितंबर, विसंगति +0.36 डिग्री सेल्सियस के साथ) और मानसून के बाद का मौसम (अक्टूबर-दिसंबर, विसंगति +0.52 डिग्री सेल्सियस के साथ) सामान्य से ऊपर थे।

2022 के दौरान देश के लिए 2022 के औसतन मासिक तापमान जनवरी और फरवरी (क्रमशः 0.09 डिग्री सेल्सियस, -0.16 डिग्री सेल्सियस) को छोड़कर वर्ष के दस महीनों के लिए सामान्य से अधिक था, जबकि जनवरी फरवरी के लिए यह सामान्य था। अखिल भारतीय औसत तापमान मार्च के महीने के दौरान विसंगति के साथ +1.61 डिग्री सेल्सियस और अप्रैल में विसंगति के साथ +1.36 डिग्री सेल्सियस दोनों 1901 के बाद से दूसरा उच्चतम था और दिसंबर में विसंगति के साथ +1.00 डिग्री सेल्सियस, 1901 के बाद से उच्चतम था। अधिकतम तापमान उच्चतम था और न्यूनतम तापमान 1901 के बाद से मार्च के महीने के लिए तीसरा सबसे अधिक था। अधिकतम तापमान तीसरा सबसे अधिक और न्यूनतम तापमान 1901 के बाद से अप्रैल के महीने के लिए दूसरा सबसे अधिक था। 1901 से अधिकतम तापमान और न्यूनतम तापमान दोनों दिसंबर महीने के लिए दूसरा सबसे उच्चतम तापमान था।

मार्च और अप्रैल 2022 के महीने के दौरान 4 से 5 दिनों के लिए तापमान सामान्य से लगातार 3°C-8°C अधिक था, जिसने पश्चिमी हिमालय, पंजाब के मैदानों, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सहित देश के कई हिस्सों में कई दशक और कुछ सर्वकालिक रिकॉर्ड तोड़ दिए। ओडिशा, मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और झारखंड राज्यों ने भी मार्च के अंत में 40 डिग्री सेल्सियस से लेकर 44 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान के साथ कुछ क्षेत्रों में भीषण लू का अनुभव किया। उष्ण

लहर की स्थिति अप्रैल में जारी रही, जो महीने के अंत में अपने प्रारंभिक चरम पर पहुंच गई। हीटवेव से जंगल में आग लगने का खतरा भी बढ़ जाता है। 29 अप्रैल तक, लगभग 70 प्रतिशत भारत हीटवेव से प्रभावित था। अप्रैल के अंत और मई में, उष्ण लहर तटीय क्षेत्रों और भारत के पूर्वी हिस्सों में फैल गई।

इन महीनों के दौरान असामान्य रूप से उच्च तापमान अनाज भरने पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है और जल्दी जीर्णता का कारण बनता है, जिससे पैदावार कम होती है, विशेष रूप से गेहूँ की।

## वर्षा

भारतीय मॉनसून की शुरुआत इस साल सामान्य से पहले हुई और वापसी सामान्य से बाद में हुई। भारतीय उपमहाद्वीप के अधिकांश हिस्से में उच्च वर्षा के योग प्राप्त हुए। 1971-2020 के आंकड़ों के आधार पर देश में वार्षिक वर्षा का औसत दीर्घकालिक औसत (LPA) का 108% था। 1901 से पूरे देश में वार्षिक वर्षा के प्रतिशत प्रस्थान की समय श्रृंखला चित्र 2 में दिखाई गई है। पूरे देश में दक्षिण पश्चिम मानसून ऋतु (जून- सितम्बर) के दौरान वर्षा, जो देश का मुख्य वर्षा ऋतु है, सामान्य (एलपीए का 106%) था। इस मानसून ऋतु के दौरान, देश के चार व्यापक भौगोलिक क्षेत्रों में से, दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में ऋतु वर्षा हुई जो इसके एलपीए का 122% है; मध्य भारत, उत्तर पश्चिम भारत में ऋतु वर्षा हुई जो उसके एलपीए का क्रमशः 119%, 101% है जबकि पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में ऋतु वर्षा हुई जो उसके एलपीए का 82% है।

पूरे देश में 2022 पूर्वोत्तर/मानसून के बाद के मौसम (अक्टूबर-दिसंबर) की बारिश सामान्य से अधिक (एलपीए का 119%) थी। मानसून के बाद की ऋतु के दौरान दक्षिण प्रायद्वीप के मुख्य/कोर क्षेत्र (जिसमें 5 उपखंड नामतया तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तमिलनाडु पुडुचेरी और कराईकल, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, और केरल और माहे शामिल हैं) में ऋतु वर्षा सामान्य (एलपीए का 110%) थी।

भारी वर्षा से जुड़ी बाढ़ ने देश के कई हिस्सों को प्रभावित किया, विशेष रूप से असम राज्य को 6 अप्रैल, 2022 से दक्षिण-पश्चिम मानसून 2022 के बाद प्री-मॉनसून वर्षा के कारण गंभीर बाढ़ और भूस्खलन का सामना करना पड़ा। 5 सितंबर को बेंगलोर में भारी वर्षा से शहर के अधिकांश हिस्सों में बाढ़ के कारण यातायात में बाधा, बिजली कटौती, घरों में पानी भर गया और सड़कें जलमग्न हो गईं।

## मानकीकृत वर्षा सूचकांक

मानकीकृत वर्षा सूचकांक (एसपीआई) सूखे की स्थिति की निगरानी के लिए उपयोग किया जाने वाला सूचकांक है और वर्षा पर आधारित है। यह सूचकांक शुष्क के लिए ऋणात्मक(निगेटिव) और गीली स्थितियों के लिए धनात्मक(पॉजिटिव) है। जैसे-जैसे शुष्क या गीली स्थितियाँ अधिक गंभीर होती जाती हैं, सूचकांक अधिक नकारात्मक या सकारात्मक होता जाता है। चित्र 3 में वर्ष 2022 के लिए जिलेवार मानकीकृत वर्षा सूचकांक

(एसपीआई/SPI) मान दिए गए हैं। पिछले बारह महीनों के संचयी एसपीआई मान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों, असम और मेघालय, अधो-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, ओडिशा, उत्तर प्रदेश राज्य, राजस्थान राज्य, मध्य प्रदेश राज्य, गुजरात क्षेत्र, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, रायलसीमा, तमिलनाडु, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और लक्षद्वीप में अत्यधिक गीली-गंभीर गीली स्थितियों का संकेत देते हैं। जबकि असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, गंगेय पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश राज्य और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में अत्यंत शुष्क-गंभीर रूप से शुष्क स्थिति देखी गई।

## **2022 की चरम मौसम घटनाओं के प्रभाव**

### **भारतीय समुद्र में उष्णकटिबंधीय चक्रवात:**

2022 में, उत्तर हिंद महासागर के ऊपर तीन चक्रवात बने। इनमें से दो गंभीर चक्रवाती तूफान "असनी" और "मंडौस" हैं और एक चक्रवाती तूफान "सितरंग" है। सभी चक्रवात बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने।

इन 3 चक्रवातों में, बंगाल की खाड़ी के ऊपर मानसून के बाद के मौसम में बना गंभीर चक्रवाती तूफान मंडौस (6 दिसंबर से 10 दिसंबर), 9 दिसंबर को एक चक्रवाती तूफान के रूप में, मामल्लपुरम (महाबलीपुरम) के करीब पुडुचेरी और श्रीहरिकोटा के बीच उत्तर तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों को पार कर गया, जिससे तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी से 6 लोगों की मौत हो गई।

अन्य गंभीर चक्रवाती तूफान असनी/ASANI, (7 मई से 12 मई) बंगाल की खाड़ी के ऊपर प्री-मॉनसून सीज़न के दौरान बना, 11 मई को एक गहरे अवदाब के रूप में आंध्र प्रदेश तट को पार कर गया, 17 पशुधन और आंध्र प्रदेश में कुछ क्षति हुई।

चक्रवाती तूफान सितरंग/SITRANG (22 अक्टूबर से 25 अक्टूबर), मानसून के बाद के मौसम के दौरान बना और चक्रवाती तूफान के रूप में 24 अक्टूबर को बांग्लादेश तट को पार कर गया, जिससे असम और मिजोरम में कुछ नुकसान हुआ।

हालाँकि, दो चक्रवात असनी और सितरंग ने किसी भी मानव जीवन का नुकसान नहीं किया।

वर्ष के दौरान बने इन चक्रवाती तूफानों के मार्ग (ट्रैक) चित्र 4 में दर्शाए गए हैं।

### **चरम मौसम की घटनाओं का प्रभाव:**

उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के अलावा, देश के विभिन्न हिस्सों में अत्यधिक भारी वर्षा, भूस्खलन, आकाशीय बिजली, आंधी आदि जैसी चरम मौसम की घटनाओं का भी अनुभव हुआ। भारत में मानसून ऋतु के दौरान विभिन्न चरणों में महत्वपूर्ण बाढ़, विशेष रूप से उत्तर-पूर्व में जून 2022 में आई बाढ़। उनमें से कुछ नीचे सूचीबद्ध हैं। यहां उल्लिखित इन चरम घटनाओं के कारण हुए हताहत मीडिया और आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों की सरकारी रिपोर्टों पर आधारित हैं।

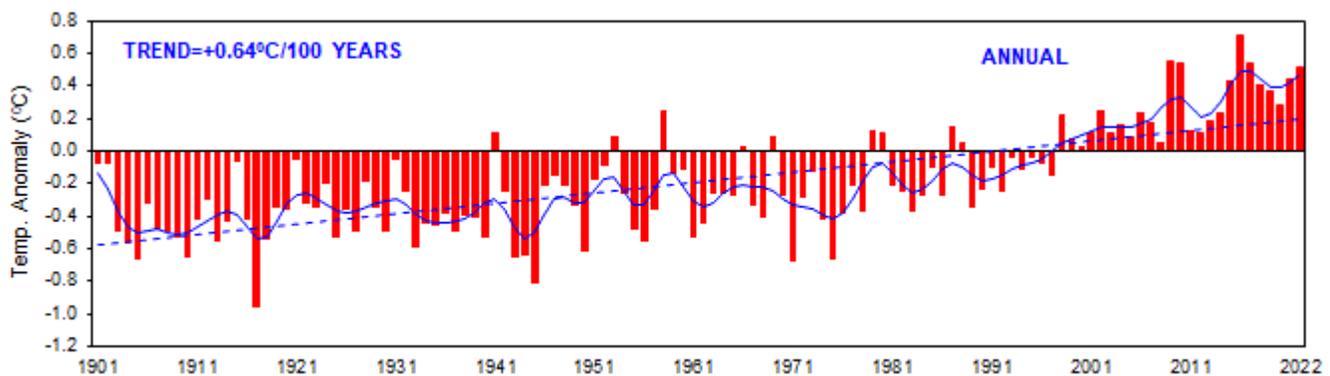
2022 के दौरान प्रभावित चरम मौसम की घटनाओं के कारण मौत और जीवन की हानि, मौतों की संख्या का वितरण और इसका प्रतिशत, मौतों की संख्या का राज्य-वार वितरण और प्रभावित जिलों की राज्य-वार संख्या को क्रमशः चित्र 5, 6, 7, 8 में दिखाया गया है ।

2022 के दौरान बिहार, असम और उत्तर प्रदेश सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्य हैं, जहां मुख्य रूप से गर्ज के साथ तूफान, आकाशीय बिजली गिरने, अत्यधिक भारी वर्षा, बाढ़, भूस्खलन की घटनाओं के कारण क्रमशः 400, 250, 200 से अधिक लोगों की मौत हुई है ।

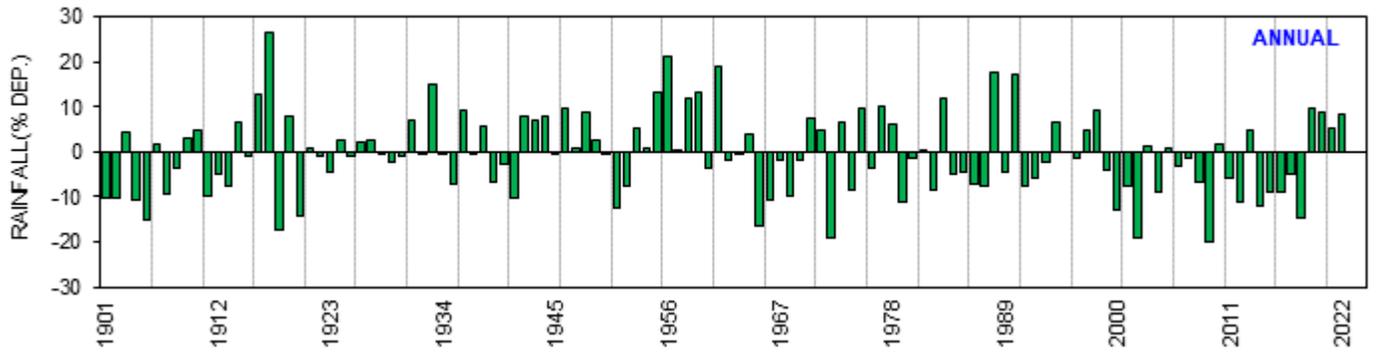
भारी वर्षा, बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं ने देश के विभिन्न हिस्सों से 830 से अधिक लोगों की जान ले ली । इनमें असम से 198, महाराष्ट्र से 116, उत्तर प्रदेश से 98, हिमाचल प्रदेश से 75, मणिपुर से 56 (30 जून को नोनी जिले में भारी भूस्खलन के कारण), राजस्थान से 48 और जम्मू-कश्मीर और शेष अन्य राज्यों से 43 ।

गरज के साथ तूफान और आकाशीय बिजली गिरने की वजह ने देश के विभिन्न हिस्सों से 1280 से अधिक लोगों की जान ले ली । इनमें से मौतों की महत्वपूर्ण सूचना थी; 415 बिहार से, 122 झारखंड से, 168 ओडिशा से, 116 मध्य प्रदेश से, 81 उत्तर प्रदेश से, 78 राजस्थान से, 71 छत्तीसगढ़ से, 64 महाराष्ट्र से, 58 असम से और शेष अन्य राज्यों से थे ।

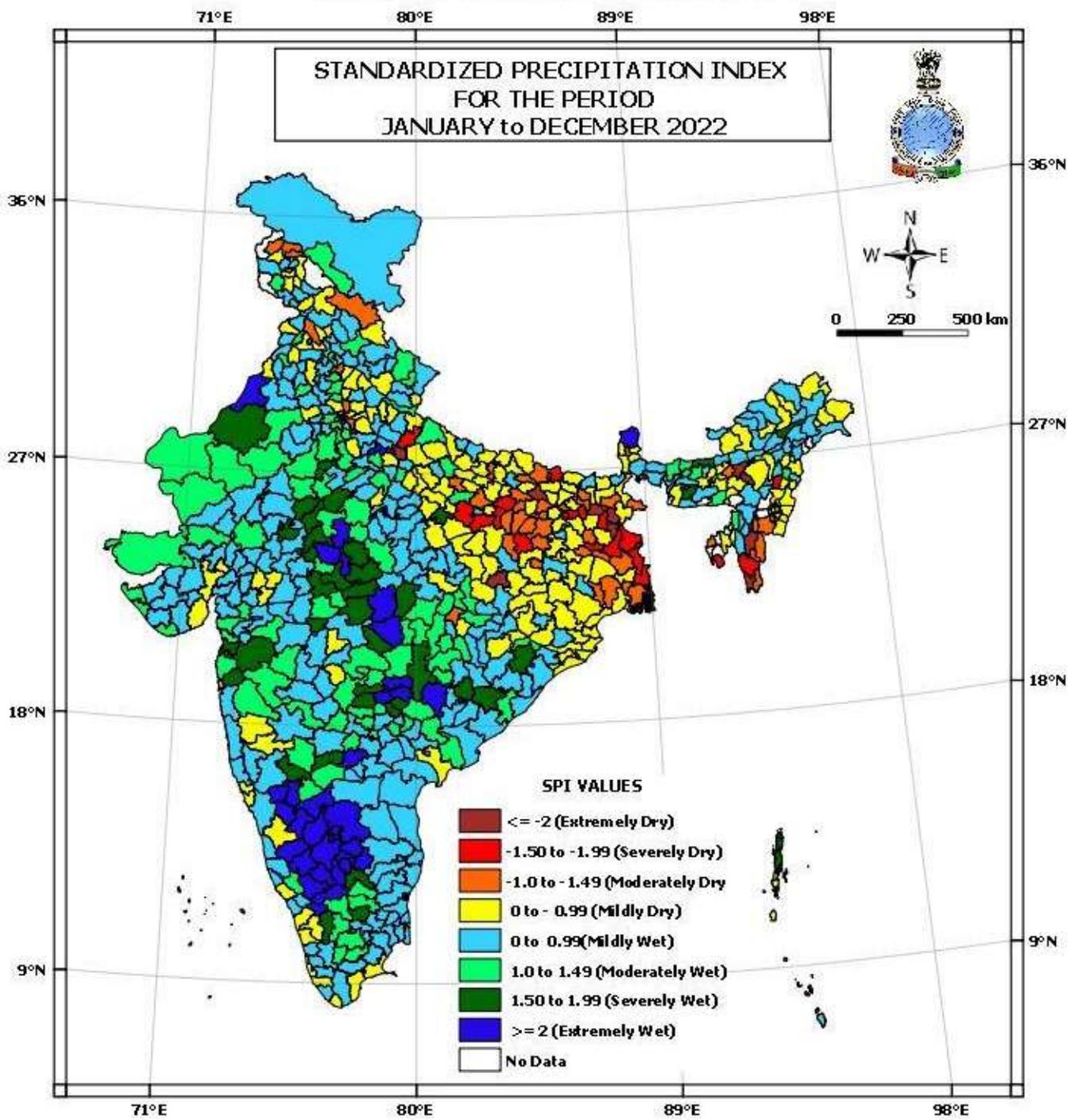
बर्फबारी, शीत लहर, उष्ण लहर, धूल भरी आंधी, झंझा और ओलावृष्टि जैसी अन्य घटनाओं ने भी देश के विभिन्न हिस्सों को प्रभावित किया, जिसमें जीवन की हानि, चोट, पशुधन की हानि और फसलों और सार्वजनिक, निजी संपत्ति को नुकसान शामिल है ।



**चित्र 1: 1901-2022 की अवधि के लिए भारत में वार्षिक औसत भू सतह वायु तापमान विसंगतियों का औसतन।** विसंगतियों की गणना 1981-2010 की आधार अवधि के संबंध में की गई थी । बिंदीदार रेखा समय श्रृंखला में रैखिक प्रवृत्ति को इंगित करती है । ठोस नीला वक्र एक द्विपद फ़िल्टर के साथ सपाट (स्मूथ) किए गए उप-दशकीय (सब डिकैडल) टाइम स्केल भिन्नता का प्रतिनिधित्व करता है ।

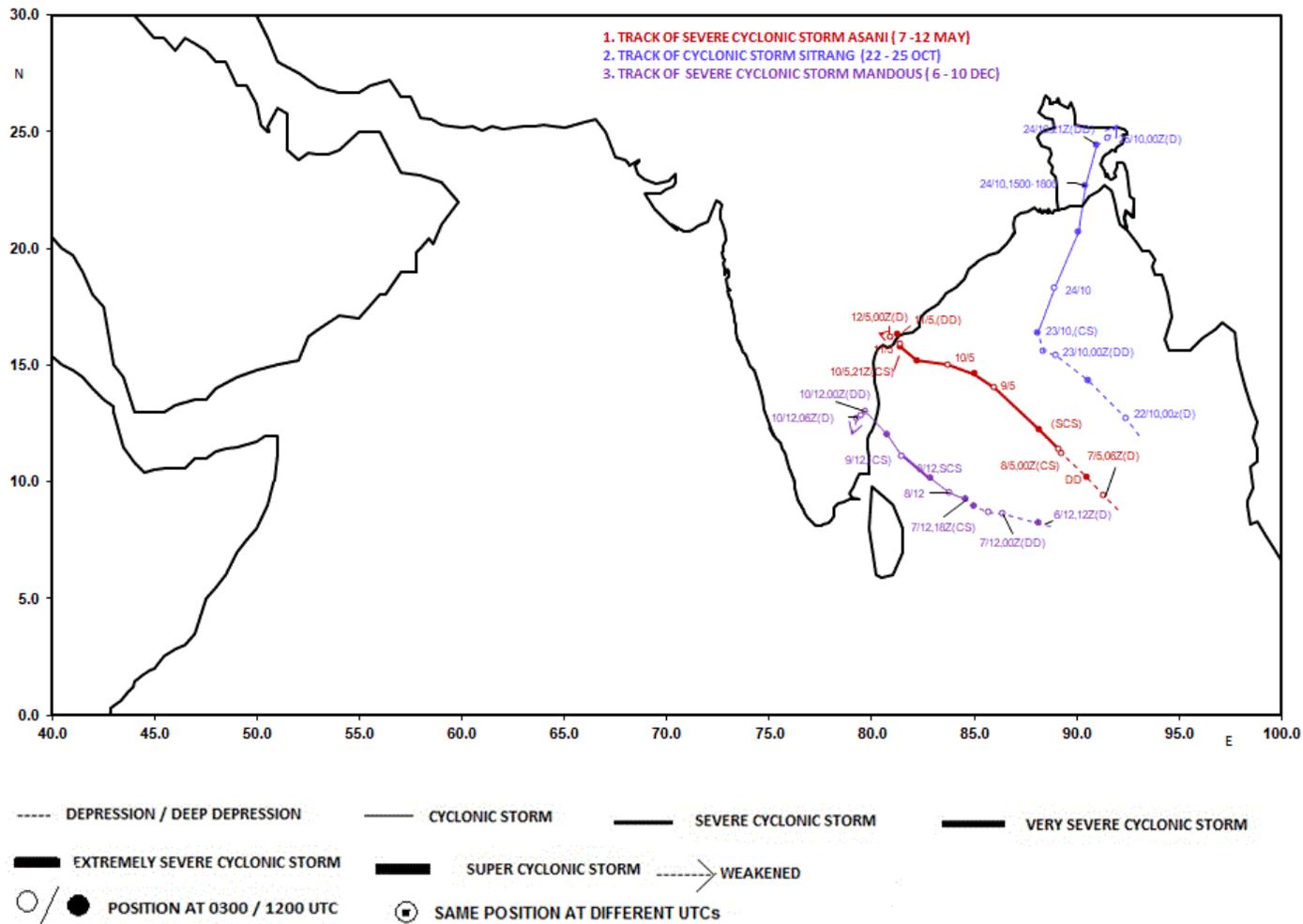


चित्र 2: 1971-2020 के आंकड़ों पर आधारित अखिल भारतीय वार्षिक वर्षा प्रतिशत प्रस्थान (1901-2022) की समय श्रृंखला ।

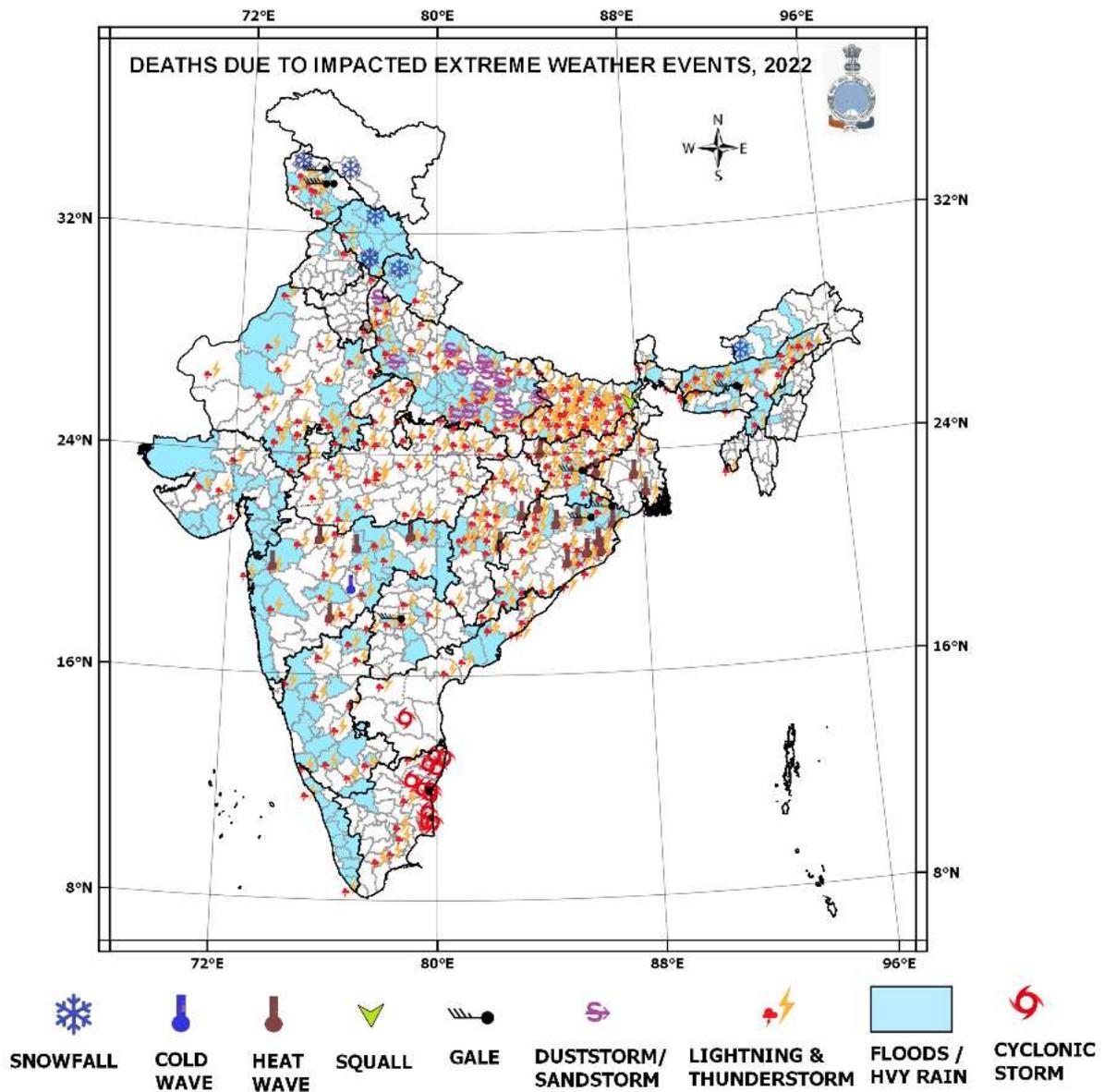


चित्र 3: जनवरी से दिसंबर 2022 के लिए मानकीकृत वर्षा सूचकांक (एसपीआई)

TRACKS OF CYCLONIC STORMS FORMED DURING 2022



चित्र 4: 2022 के दौरान गठित चक्रवर्तों के ट्रैक



चित्र 5: 2022 के दौरान घटी महत्वपूर्ण चरम मौसम घटनाएँ ।

वर्ष 2022 के दौरान उच्च प्रभाव वाली मौसम की घटनाओं के बारे में राज्यवार जानकारी के साथ-साथ मीडिया और अन्य राज्य सरकार की एजेंसियों द्वारा रिपोर्ट की गई जानमाल की हानि ।

State wise information about the High Impacted Weather Events occurred during 2022 along with loss of life reported by media and other state government agencies .

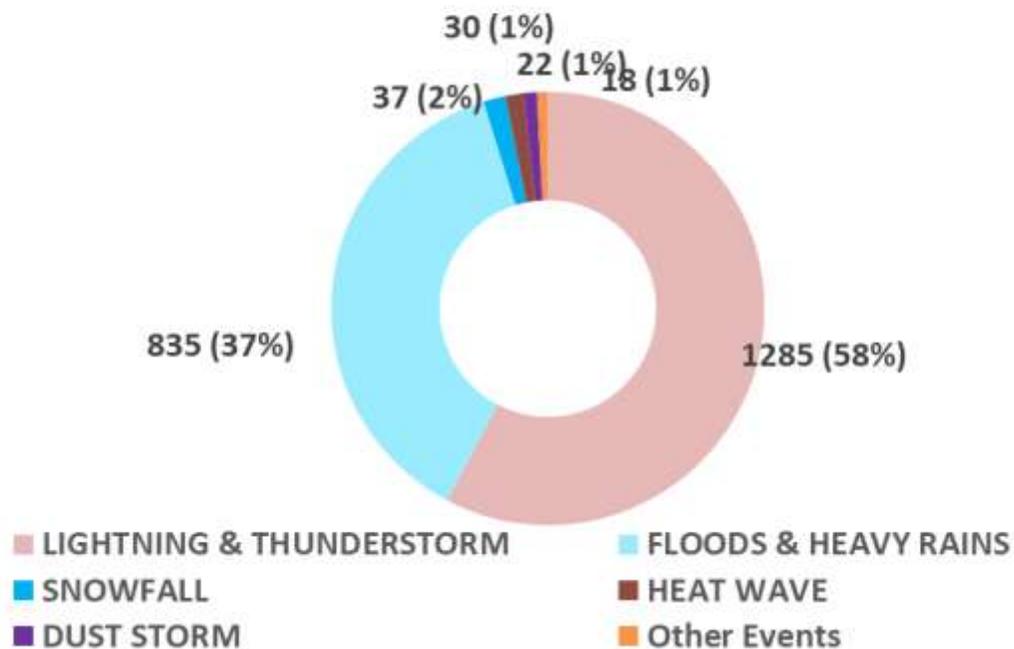
State /UT	Deaths due to Impacted Extreme Weather Events						Total
	LIGHTNING & THUNDERSTORM	FLOODS & HEAVY RAINS	SNOWFALL	HEAT WAVE	DUST STORM	Other Events	
Andhra Pradesh	18	7				1	26
Arunachal Pradesh		16	7 (6 Feb.)				23
Assam	58 (14 to 17, 27, 29 Apr.; 18 & 19 May; 15, 16, 21, 22 Jun.;	198 (13, 15, 17 to 25, 27, 29 & 31 May; 14 to 30 Jun.; 1 to				1	257

	3, 4, 6, 15, 23, 26 Jul.; 6, 7, 8, 13, 18 Aug.; 3 Sep.)	9, 12, 14, 17, 19 Jul.)					
Bihar	415 (12 Jan.; 4, 24, 27 Feb.; 20, 30 Apr.; 3, 5, 12, 13, 19, 20, 22, 23, 28 May; 18 to 21, 23, 24, 27, 28, 29 Jun.; 1, 2, 3, 9, 11, 14, 15, 19 to 23, 25 to 31 Jul.; 1 to 4, 6, 7, 8, 13, 19, 23, 31 Aug.; 1 to 5, 8 to 10, 13 to 19, 22, 24, 27 to 29 Sep.; 4, 6, 10, 11 Oct.)	3					418
Chhattisgarh	71 (21 Apr.; 3, 15, 29 May; 15, 17, 19, 22, 23, 26, 29 Jun.; 2, 3, 23, 26, 28, 29 Jul.; 6 Aug.; 10, 19, 20, 29, 30 Sep.)	7		1			79
Delhi	2	3					5
Gujarat	7	24					31
Himachal Pradesh	3	75 (17 Jan.; 22, 29 May; 29 & 30 Jun.; 6, 14 Jul.; 8, 11, 15, 19, 20 Aug.; 26 Sep.)	10 (10 Jan.; 12 Feb.; 17 Apr.)				88
Jammu & Kashmir	7	43 (5 Jan.; 9 May; 19 Jun.; 7, 8, 13, 23, 27, 30, 31 Jul.; 7, 8, 11, 20 Aug.; 15 Nov.)	3		4		57
Jharkhand	122 (5, 25 Feb.; 4, 20, 23 May; 15, 17, 24 Jun.; 1, 24, 25, 29 to 31 Jul.; 1, 2, 13, 15, 28 Aug.; 3, 7, 10, 15, 20, 22, 26 to 30 Sep.; 1 Oct.)	5		1	2		130
Karnataka	33	34					67
Kerala	2	30					32
Ladakh			1				1
Madhya Pradesh	116 (8 & 9 Jan.; 8 Apr.; 23 May; 1, 11, 15, 16, 17, 22, 23, 25, 27, 28, 29 Jun.; 2, 3, 6, 8, 9, 11, 12, 15, 19, 25 Jul.; 4 to 7 Aug.; 3, 8, 10, 21, 27 Sep.; 7, 11 Oct.)	1					117
Maharashtra	64 (12 Jan.; 7 to 9 Mar.; 6 & 22 Apr.; 20 & 31 May; 8, 11, 12, 16, 18, 19, 20, 21, 23, 24 Jun.; 9, 30 Jul.; 30 Aug.; 8, 10, 11, 12, 16, 21, 28 Sep.; 5, 7, 10, 17, 18, 20 Oct.)	116 (24 Jun.; 6, 9 to 14, 18 & 19 Jul.; 4 to 14, 17 Aug.; 11 to 14, 16, 20, 21 Sep.; 5, 17 to 20 Oct.)	13 (29 to 31 Mar.; 1, 26, 28, 30 Apr.; 10 May)		1		194
Manipur		56 (Massive Landslide at Noney - 30 Jun.)					56
Meghalaya	1	15					16
Nagaland		3					3
Odisha	168 (11 Jan.; 25 Feb.; 25 Mar.; 7, 15, 16, 26, 28, Apr.; 1 to 4, 6, 9, 10, 17, 19, 20, 22, 23, 24, 27 May; 10 to 12, 14 to 17, 19 to 24, 29, 30 Jun.; 1, 2, 4, 8, 14, 15, 22, 24, 28 Jul.; 1 to 4, 6, 7, 12, 13, 17, 18, 19, 21, 22, 24, 27, 28 Aug.; 3 to 5, 7, 9, 10, 15, 17, 18, 23, 25 to 28, 30 Sep.)	12		12 (22 Mar.; 12, 14, 25, 27, 28 Apr.; 3, 5, 21 May; 7, 8, 13 Jun.)	2		194
Puducherry					1		1
Punjab		3					3
Rajasthan	78 (1 to 8, 10, 14 to 17, 19 to 21, 27 Jul.; 1, 4 to 9, 16	48 (2, 8, 13 to 20, 25 to 28 Jul.; 1, 8, 10, 16, 20, 22					126

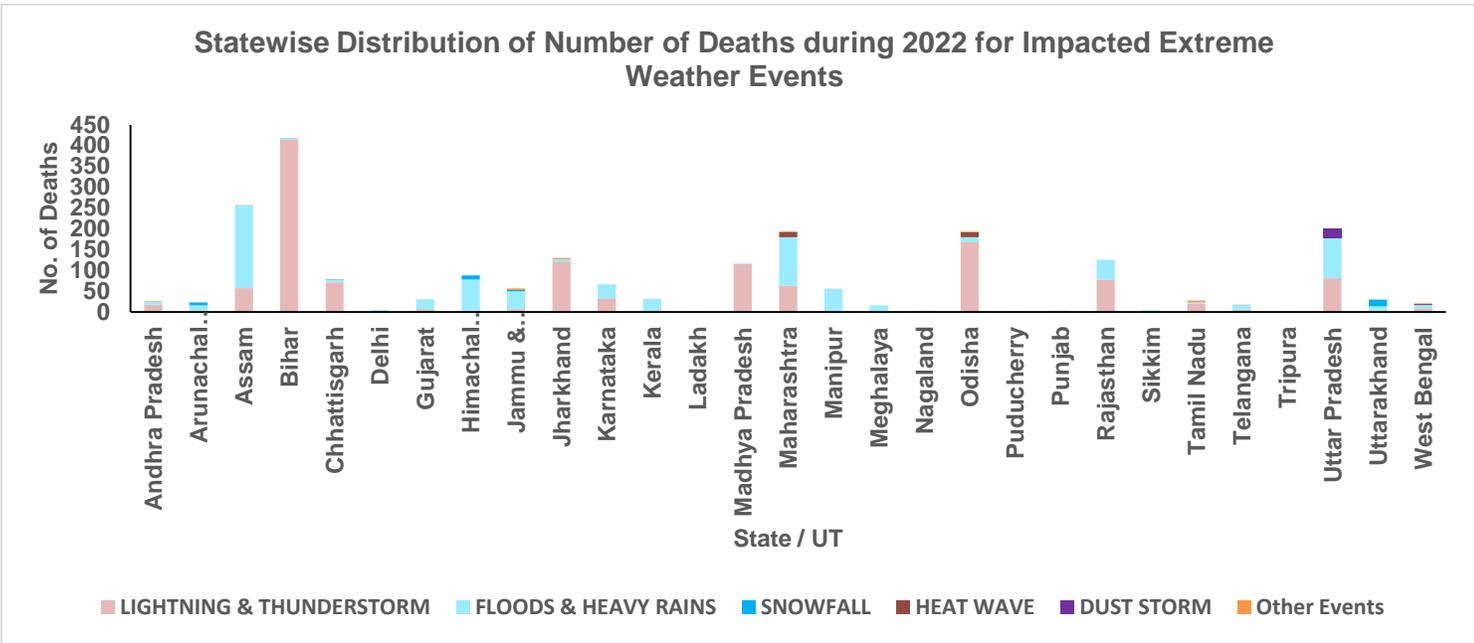
	Aug.; 1, 10, 11, 12, 14 Sep.; 8,10 Oct.)	Aug.; 15 Sep.)					
Sikkim	1	3					4
Tamil Nadu	21	3				4	28
Telangana	6	11				1	18
Tripura	1						1
Uttar Pradesh	81 (4, 21, 23 May; 28 Jun.; 3, 20, 25, 26 Jul.; 6 Aug.; 22 to 24 Sep.; 9 & 10 Oct.)	98 (23 May; 13, 16, 17, 21 to 26 Sep.; 6 to 9 Oct.)			22 (23 May)		201
Uttarakhand	1	13	16 (4 Oct.)				30
West Bengal	9	8		3		1	21
Grand Total	1285	835	37	30	22	18	2227

Other Events: COLD WAVE + CYCLONIC STORM + GALE + SQUALL

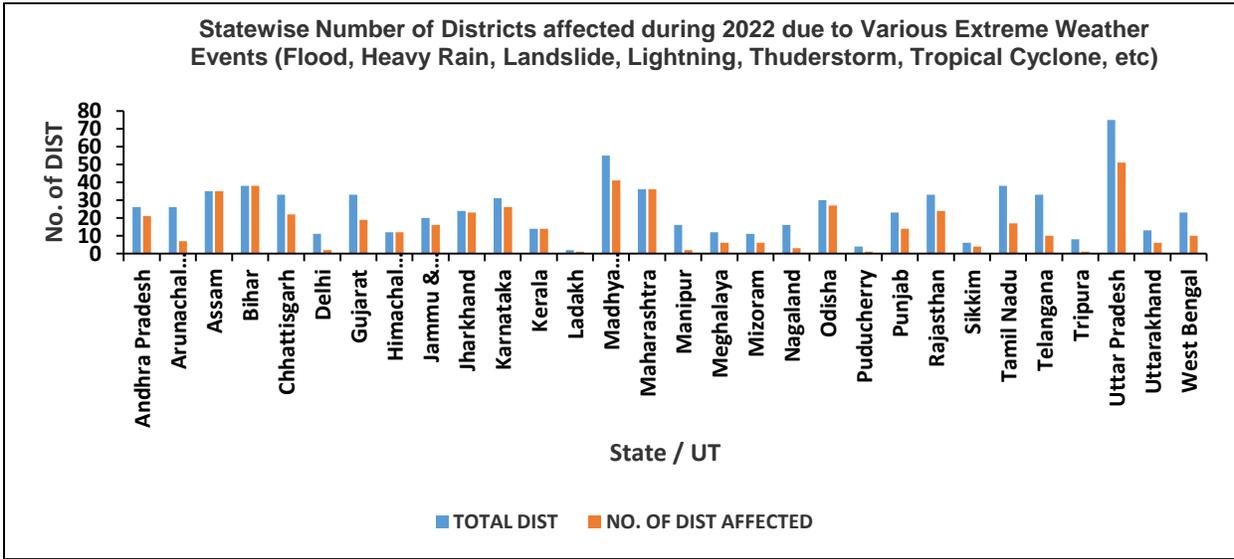
### Distribution of Number of Deaths & it's percentage during 2022 for Impacted Extreme Weather Events



चित्र 6: 2022 के दौरान चरम मौसम घटनाओं के कारण होने वाली मौतों की संख्या और उसके प्रतिशत का वितरण।



चित्र 7: वर्ष 2022 के दौरान चरम मौसम घटनाओं के कारण होने वाली मौतों की संख्या का राज्य-वार वितरण.



चित्र 8: विभिन्न चरम मौसम घटनाओं के कारण 2022 के दौरान प्रभावित जिलों की राज्य-वार संख्या .